VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M
N
06 SEP 2022
No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1837)

Name of Candidate	Bharat Jai prakash Meena		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	160872
Center	M.N.	Date	6 sept

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** Explain why altruism constitutes one of the core values in public life. In this regard, suggest some measures to foster altruistic behaviour in public services. **(150 words) 10**

स्पष्ट कीजिए कि परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्यों में से एक क्यों है। इस संबंध में लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

परोपकारिता से तात्पर्य दूसरों की भलाई चाहने से है। एरिक फ्रॉम (The Art of Loving) के अनुसार वास्तविक सुख परोपकार में है।

उदा. – कादंबिनी गांगुली, सावित्री बाई फुले

परोपकारिता सार्वजनिक जीवन के प्रमुख मूल्यों में से एक है क्योंकि यह सिविल सेवकों में समाज के वंचित वर्ग के लिये कार्य करने हेतु प्रेरित करती है जिससे सेवा-भावना का जन्म होता है।

उदा. (1) अवनीश शरण (IAS) – सेगी एक्सप्रेस एम्बुलेंस सेवा

(2) IAS, राज यादव द्वारा सिक्किम के 5 गांवों को गोद लेकर उनका विकास करना।

इस प्रकार परोपकारिता सिविल सेवकों को स्वार्थी से परमार्थी बनाती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

बढ़ावा देने के उपाय

① समाज के वंचित वर्गों के प्रति करुणा हेतु ट्रेनिंग

(2) लैंगिक समवेदनशीलता का विकास

(3) समावेशिता को मूल्य के स्तर पर अपनाना

(4) सिविल सेवाओं को Rules based → Result oriented बनाना

(5) सिविल सेवकों को आपात स्थिति में सार्वजनिक भलाई हेतु विवेकाधीन शक्ति के प्रयोग को संरक्षण प्रदान करना।

(6) गांधी, मदर टेरेसा, कबीर, गुरुनानक आदि की जीवनी से प्रेरणा हेतु प्रेरित करना

परोपकार का महत्व मध्यकालीन संत तुलसीदास ने भी बताया है—
परहित सरिस धर्म नहीं भाई
परपीड़ा सम नहीं अधमाई।
तो साथ ही वेद - पुराणों में
परोपकार: पुण्याय, पापाय परपीड़नम्।" के माध्यम से परोपकार का महत्व बताया है

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Certain actions can be right even though they do not maximize good consequences, for the rightness of such actions consists in their representing certain norms. Discuss with examples. **(150 words) 10**

कुछ कार्य सही हो सकते हैं, भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें, क्योंकि ऐसे कार्यों का औचित्य उनमें शामिल कुछ मानदंडों में निहित होते हैं। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

कर्तव्यवादी दार्शनिक कांट के अनुसार हमें सिर्फ कर्तव्य, कर्तव्य के लिये करना चाहिये न कि किसी लाभ-हानि या लालच के लिये।

गांधी का साधन-साध्य का सिद्धांत भी इसी बात की ओर संकेत करता है कि कुछ कार्य भले ही परिणाम दायक न हो परंतु, उनमें निहित मानदंड महत्वपूर्ण होते हैं।

उदा० - 1968 के समर olympic में Australia के धावक पीटर नॉरमेन द्वारा, Black Right के पक्ष में सिंघ और कार्लोस का समर्थन करना। यद्यपि Australia में RSA के समान नस्लभेदी कानून विद्यमान थे।

नॉरमेन का यह उदाहरण दर्शाता है कि अपने मूल्य एवं विचारों के लिये खड़ा होना भले ही व्यक्तिगत स्तर पर हानि पहुँचा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सकता है परंतु, यह मानवता के कल्याण के लिये सकारात्मक साबित होता है।

नॉरमैन को उन्हे इस कृत्य के लिये अगले olympic में Australia की टीम में जगह नहीं मिली। यद्यपि आज भी वे Australia के National Record holder है।

वर्ष 2006 में नॉरमैन की मृत्यु के पश्चात Australia की सरकार ने 2012 में, नॉरमैन के परिवार व उनसे माफी मागी थी।

उपर्युक्त उदाहरण करुणा, दया स्वतंत्रता एवं समानता जैसे मानदंडो का महत्व दर्शाता है। प्रसिद्ध गुजराती संत नरसी मेहता ने इसी संदर्भ में कहा है-
"वैष्णव जन तो तेने कहिये।
जे पीड़ पराई जाने रे।।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** With the help of appropriate examples, discuss the ethical challenges involved in policing in India. Also, highlight the reasons behind corruption in the police force. **(150 words) 10**

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से भारत में पुलिसिंग (पुलिस व्यवस्था) में शामिल नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणों पर प्रकाश डालिए।

भारत में पुलिस राज्य सूची का विषय है वर्तमान में उभर रही नई-2 चुनौतियों एवं केन्द्र-राज्य संबंधों ने नैतिक चुनौतियों को बढ़ावा दिया है

नैतिक चुनौतियाँ

① महिला पुलिसकर्मियों की संख्या कम होना (8-10%)

② पुलिस हिरासत में हत्याएँ → विकास दुबे, तमिलनाडु की घटना

③ पुलिस बलों में लैंगिक संवेदनहीनता (eg- मथुरा केस)

④ पुलिस पर कानून व्यवस्था, VIP security, जाँच-अन्वेषण का दोहरा बोझ

⑤ पुलिस बलों में समय पर भर्ती

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

न होना तथा भर्तियों में भ्रष्टाचार (उदा० - हालिया कर्नाटका मामला)

(6) पुलिस बलों का राजनीतिकरण
उदा० - दिल्ली पुलिस → (दिल्ली सरकार vs Central govt)

भ्रष्टाचार के कारण

1. निम्न वेतन व भत्ते
2. कार्य की अवधि अत्यधिक होना
3. जोखिम < वेतन न होना
4. भ्रष्टाचार की संस्कृति
5. राजनीतिक हस्तक्षेप तथा नेता-नौकरशाही गठजोड़
6. पुलिस - अपराधी गठजोड़ (उदा० - जेल प्रबंधन में)

समाधान
- प्रकाश सिंह Case की सिफारिशें मानना
- SP, DGP स्तर पर कार्यकाल सुरक्षा
- निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया
- राजनीतिक हस्तक्षेप कम करना

पुलिस बलों में समय पर भर्ती तथा लैंगिक संवेदनशीलता को बढ़ाकर ही Rule of law सुनिश्चित किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** A right combination of spirit and structure is integral to ethical corporate governance. Discuss. **(150 words) 10**

भावना और संरचना का सही संयोजन नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अभिन्न अंग होता है। चर्चा कीजिए।

नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस से तात्पर्य किसी कंपनी की कार्यप्रणाली में सभी हितधारकों के हितों को ध्यान में रखते हुये पारदर्शिता तथा नियम - कानूनों के पालन करने से है।

उदा॰ -
- Infosys - नारायण मूर्ति
- टाटा संस
- Jeff bezos - Amazon

भावना का महत्व

① कर्मचारियों के हित व कंपनी के हितों के संरक्षण हेतु
② कर्मचारियों में कर्तव्यपरायणता की भावना ↑
③ कर्मचारी, बदलाव को आसानी से अनुकूलन
④ कार्य - संस्कृति बेहतर
⑤ Code of ethics व code of conduct का पालन सुनिश्चित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

CSR Committee बनाना | ← [संरचना] → शक्तियों का विकेन्द्रीकरण

technical/ financial व social Audit को प्रोत्साहन

→ MD, chairmen में विभेद (कोटक समिति)

निर्णयों में पारदर्शिता ← → भाई - भतीजावाद ⇓

→ Board of Council में 1/6 महिला (कोटक समिति)

भावना + संरचना

1. कॉर्पोरेट गवर्नेंस के मानक ↑
2. कंपनी हित व समाज, राष्ट्रहित
3. कंपनी ESG को प्रोत्साहन
4. Business sustainability Report जारी करेगी |
5. Credit Rating बेहतर होगी
6. साइबर सुरक्षा ↑
7. कर्मचारी → Re-skilling ↑
8. Nordic देशों → प्रतिबद्ध पूंजीवाद ↑

भावना, संरचना के समन्वय से ही कार्पोरेट शासन के मानक उच्च होंगे जिससे भविष्य में NSE Co-location जैसी घटनाऐं नहीं होंगी|

3. **(a)** It is not only public servants, but also the common citizens who play a key role in institutionalising high standards of ethical conduct and good governance. Elaborate. **(150 words) 10**

न केवल लोक सेवक, बल्कि आम नागरिक भी नैतिक आचरण और सुशासन के उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

सुशासन से तात्पर्य ऐसे शासन से है जो नैतिक मूल्यों - पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा, समावेशिता का पालन करते हुये जन - कल्याण को केन्द्र में रखता है।

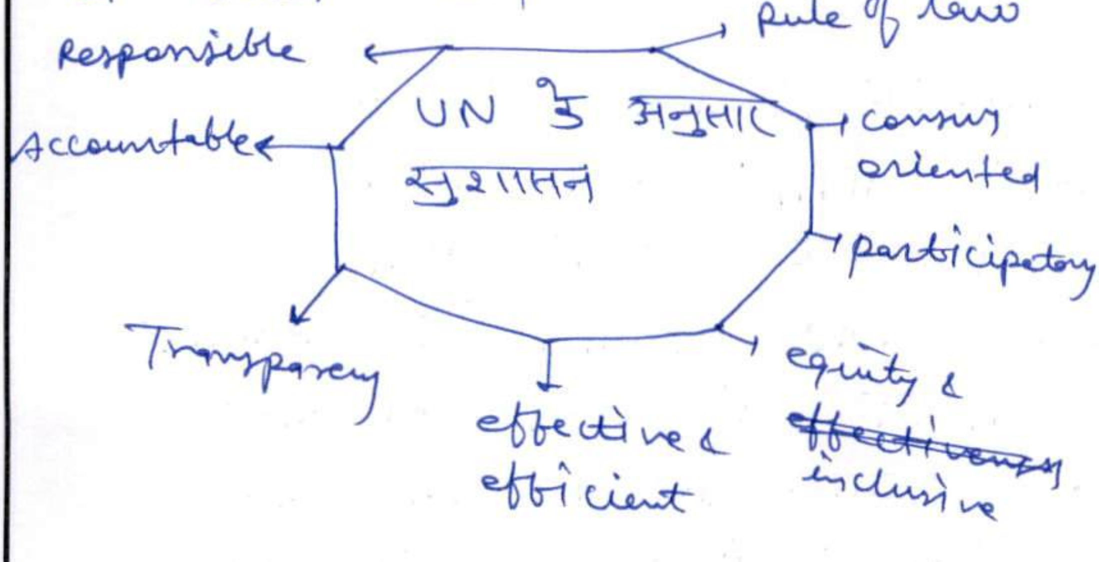

नागरिकों की भूमिका

① सिटीजन चार्टर का पालन हेतु सूचना, शिक्षा व जागरूकता का प्रसार।

② सिटीजन चार्टर निर्माण व क्रियान्वयन में भागीदारी भी

③ RTI, file करने हेतु SOPs

निर्माण कर सकते है।
(4) लोकपाल व लोकायुक्त को मजबूत बनाने हेतु प्रयास कर सकते है
(5) participatory budgeting में योगदान
(6) कंपनी एवं प्रशासन का social Audit में भागीदारी
(7) e-gov. को प्रोत्साहन
(8) digital Literacy ↑ व e-gov.↑

नागरिक, प्रशासन के साथ मिलकर आपदा प्रबंधन फ्रेमवर्क बना सकते है जिससे आपदा के दौरान त्वरित कार्यवाही हेतु प्रशासन की क्षमता में वृद्धि हो सके।
उदा. → आर्मस्ट्रांग पेम रोड बनाना
→ शाहिद चौधरी, J&K में 300⊕ Bridge बनाना

तो साथ ही MKSS द्वारा राजस्थान में RTI की मांग शुरू करना तथा मनरेगा में भ्रष्टाचार कम करना इसका उदाहरण है।
नागरिक भागीदारी citizen चार्टर, RTI में व्याप्त कमियों को दूर कर पारदर्शिता भी दे सकते है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Public administration in India suffers from the 'working-in-silos' culture. In this context, discuss the importance of cooperation, coordination and collaboration for efficient governance. **(150 words) 10**

भारत में लोक प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति ('वर्किंग-इन-साइलो' कल्चर) से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहभगिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

भारत में लोक-प्रशासन के तहत विभिन्न स्तरों पर प्रायः सहयोग एवं समन्वय का अभाव है जिससे भ्रष्टचार एवं अपारदर्शिता में वृद्धि होती है

कुशल गवर्नेंस हेतु सहयोग, समन्वय व सहभागिता का महत्व :-

① प्रशासन तथा सिविल सोसाइटी के मध्य सहयोग एवं समन्वय न सिर्फ पारदर्शिता ना न्याय भी सुनिश्चित करेगा।

② जनता प्रशासन के केन्द्र में होगी

③ e-goveranace तथा प्रशासन में नवाचार

(4) RTI, citizens charter का बेहतर पालन होगा

(5) DBT का उचित क्रियान्वयन

(6) social Responsibility सुनिश्चित होगी।

(7) केरल के समान e-गवर्नेंस क्रांति को जन्म

प्रशासन में सहयोग, समन्वय व सहभागिता से 'सबका साथ, सबका विकास' द्वारा अमृतकाल में निर्धारित लक्ष्य प्राप्त किये जा सकेंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** While emotional intelligence is an essential tool for a public servant, it can also be misused to manipulate people to act against their own interests. Discuss with examples. **(150 words) 10**

हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन होता है, लेकिन लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

डेनियल गोलमैन के अनुसार स्वयं तथा दूसरों की भावनाओं को समझने तथा उनको सार्वजनिक हित में प्रबंधन ही, भावनात्मक बुद्धिमत्ता है।

उदा० → M.S. धोनी
→ सरदार पटेल

E.I. के घटक
- स्व - चेतना
- स्व - नियमन
- प्रेरणा
- समानुभूति
- सामाजिक कौशल

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रायः दुरुपयोग भी संभव है। उदा० के लिये साइबर इंजीनियर अपने कौशल का उपयोग, साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने

में प्रायः करता है परंतु, भावनात्मक बुद्धिमत्ता के बल पर उसे प्रेरित कर cyber frauds, cyber Attack phising, farming जैसे कृत्य कराये जा सकते है जो कि व्यक्ति के साथ - साथ समाज के भी विरुद्ध है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के सदुपयोग हेतु नैतिक मूल्यों का सोपानक्रम स्पष्ट होना आवश्यक है। जिससे EI का उपयोग सार्वजनिक हित में हो सके।

चरित्र के बिना शिक्षा, व्यक्ति को राक्षस बना सकती है। - गांधी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) Social influence is an ambivalent concept. It can be a source for good, bad and even for evil. Discuss with the help of relevant examples.

(150 words) 10

सामाजिक प्रभाव एक विरोधाभाषी अवधारणा है। यह अच्छे, बुरे और यहां तक कि अशुभ के लिए भी एक स्रोत हो सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

सामाजिक प्रभाव, व्यक्ति पर जीवन के विभिन्न चरणों में परिवार, पड़ोस, विद्यालय, मीडिया एवं आदर्श व्यक्तियों के प्रभाव को संदर्भित करता है।

सामाजिक प्रभाव अच्छे, बुरे तथा अशुभ का भी स्रोत हो सकता है।

उदा०- (1) गांधी का स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान।

(2) विनोबा भावे का भू-दान आंदोलन

(3) मंडेला - नस्लभेद विरोधी आंदोलन

समाज में शुभ तथा अच्छे को प्रोत्साहन के स्रोत रहे हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② बुरे के स्रोत

→ हिटलर का मुख्यतः जर्मनी जनता पर व्यापक प्रभाव; यहूदी नर-संहार को जन्म दिया।

③ अशुभ का स्रोत

(A) हेगेल + नीत्शे के युद्ध दर्शन → हिटलर पर प्रभाव

(B) चार्वाक का प्रभाव
↳ भोगवाद को बढ़ावा दे सकता है

सामाजिक प्रभाव के सकारात्मक प्रभाव हेतु अशोक, अकबर जैसे शासकों की नीतियों के बारे में पढ़कर प्रबुद्ध नागरिक बनने का प्रयास करना चाहिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** Effective public service delivery demands a people-centric approach, which is built upon coordination and leverages technology. Discuss.

(150 words) 10

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है, जो समन्वय पर आधारित होता है और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। चर्चा कीजिए।

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण में लीकेज कम होता है तो साथ ही सेवा, लक्षित वर्ग को मिल पाती है जिसके लिये जन - केन्द्रित दृष्टिकोण होना जरूरी है।

समन्वय का महत्व

① पारदर्शिता में वृद्धि
② लक्षित वर्ग की पहचान
③ सामाजिक अंकेक्षण को प्रोत्साहन
④ निष्पक्षता सुनिश्चित होगी
⑤ समावेशी प्रशासन

प्रौद्योगिकी का महत्व

① वितरण की Real time मानिटरिंग
② Data आधारित नीति - निर्माण
③ प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) परिवर्तन के अनुकूल वितरण व्यवस्था में सुधार
(5) वितरण की लागत ⇓

इस प्रकार समन्वय ⊕ प्रौद्योगिकी का लाभ भ्रष्टाचार कम करते हुये जनता - प्रशासन में विश्वास बढ़ाता है जिससे जनभागीदारी बढ़ती है और 'सबका साथ, सबका साथ' के लक्ष्य के साथ समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की प्राप्ति होती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** Highlight the important teachings of Kautilya that are relevant to public services in 21st century India. **(150 words) 10**

कौटिल्य की उन महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए, जो 21वीं सदी के भारत में लोक सेवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

कौटिल्य, चन्द्रगुप्त मौर्य के राज-दरबार में रहते थे जिनका अर्थशास्त्र नामक ग्रंथ एक राजनीतिक तथा आर्थिक ग्रंथ है जो वर्तमान में भी प्रासंगिक है।

प्रमुख शिक्षा

① कौटिल्य का राजमंडल का सिद्धांत
→ अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में प्रासंगिक है।
→ पड़ोसियों को शत्रु-मित्र में विभाजित कर नीति-निर्माण हेतु प्रोत्साहित करता है।

② अर्थ पर बल
→ भूमि (सीताभूमि) पर शुल्क, महिलाओं से काम कराकर, अर्थ का महत्व दर्शाया तथा

वंचित वर्ग के समावेशन को प्रोत्साहित किया

③ राज्य की राजनीतिक स्थिरता हेतु सर्वजनहिताय, सर्वजनसुखाय का सिद्धांत दिया।

④ यथा राजा। तथा प्रजा के माध्यम जनता व सरकार के मध्य समन्वय तथा सहयोग।

⑤ अशोक की धम्म-नीति पर भी चाणक्य का प्रभाव माना जाता है जहां उसने धर्म के माध्यम से शासन की स्थिरता को प्रोत्साहित किया।

⑥ कठोर दंड, के माध्यम से दंड। सजा → सुधारने का जरीया बताया।

कौटिल्य के अनुसार बुद्धिमान व्यक्ति → विवेक, सामान्य व्यक्ति → अनुभव से, मूर्ख व्यक्ति → आवश्यकता तथा पशु → स्वभाव से सीखते हैं। का सिद्धांत अपनाकर, शासन को बेहतर बना सकते हैं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "What counts in life is not the mere fact that we have lived. It is what difference we have made to the lives of others that will determine the significance of the life we lead." Nelson Mandela **(150 words) 10**

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने अपना जीवन जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो बदलाव लाया है, वह हमारे जीवन के महत्व को निर्धारित करेगा।" - नेल्सन मंडेला

नेल्सन मंडेला का यह कथन एक सार्थक जीवन हेतु भलाई, परोपकार एवं परहित को प्रोत्साहन देने की बात करता है।

स्वामी विवेकानंद का दरिद्र नारायण का सिद्धांत यही सीख देता है कि समाज के वंचित वर्ग की ~~करुणा~~ गरीबी एवं अज्ञानता मिटाने हेतु सशक्त वर्ग को प्रयास करना चाहिये।

B.R. अम्बेडकर द्वारा कहा गया यह कथन 'life should be great rather than long,' जीवन में समाज हेतु किये

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गये कार्यों एवं बदलावों को संदर्भित करता है।

महात्मा गांधी का ट्रस्टीशिप सिद्धांत हमें, समाज में गरीबी एवं भुखमरी की समाप्ति हेतु व्यक्तिगत सम्पत्ति को समाज हेतु उपलब्ध कराना चाहिये।

सावित्रि बाई फुले द्वारा प्लेग रोगियों की सेवा करते हुये, स्वयं स प्लेग से ग्रसित होकर मौत प्राप्त करना सेवा का महत्व दर्शाता है।

कादंबनी गांगुली द्वारा खान-श्रमिकों हेतु जीवन-पर्यंत कार्य-करना, समाज में बदलाव को ही महत्व प्रदान करना है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** "I care only for the Spirit - when that is right, everything will be righted by itself". Swami Vivekananda. **(150 words) 10**

"मुझे केवल मूल की परवाह है- जब वह सही होगा, तो सब कुछ स्वयं ही सही हो जाएगा।" - स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद का यह कथन किसी कार्य के नैतिक - अनैतिकता की जाँच हेतु spirit की बात करता है। जिसके अनुसार किसी कार्य को करते समय व्यक्ति की मूल भावना एवं उसका उद्देश्य नैतिक होना चाहिये। बाकी स्वयंमेव ही ठीक हो जायेगा।

गांधी का साधन - साध्य की पवित्रता का सिद्धांत भी इसी पर बल देता है कि किसी कार्य हेतु अपनाए गये साधन नैतिक होने पर, साध्य अर्थात् अंतिम लक्ष्य भी नैतिक ही होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

उदाहरण के लिये - (1) रानी गैडिनल्यू द्वारा कम उम्र से ही जनजातीय अधिकारों के लिये लड़ना।
(2) नाम्बी नारायणा द्वारा NASA की नौकरी छोड़ Isro Join करना तथा एक षड्यंत्र के कारण देशद्रोही तक कहा जाना।
परंतु, नाम्बी नारायणा को अपनी spirit पर विश्वास के कारण वे इसको लम्बी लड़ाई के बाद अपनी इज्जत प्राप्त कर सके हैं।
कर्तव्यवादी दार्शनिक कांट ने कहा है कि कर्तव्य सिर्फ कर्तव्य के लिये करना चाहिये क्योंकि यही कर्तव्य है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(c)** "True peace is not merely the absence of tension; it is the presence of justice." Martin Luther King Jr **(150 words) 10**

"वास्तविक शांति केवल तनाव की अनुपस्थिति नहीं है; बल्कि यह न्याय की उपस्थिति भी है।" - मार्टिन लूथर किंग जूनियर

मार्टिन लूथर किंग का यह कथन समाज में शांति एवं समरसता स्थापित करने हेतु न्याय के महत्व को दर्शाता है

लूथर किंग के अनुसार समाज के भीतर ही भीतर समुदाय एवं वर्गों के मध्य पल रही ~~दुश्मनी या~~ असमानता, उपयुक्त परिस्थितियाँ पाकर व्यापक क्षति पहुंचाती है

उदाहरण के लिये सोवियत रूस में डंडे के बल पर समाजवाद स्थापित किया जिससे लम्बे समय तक शांति तो बनी रही परंतु, समाज के विभिन्न वर्गों में असंतोष व्याप्त था जिसके फलस्वरूप 1991 में सुधारों ने जब इन भावनाओं को बाहर आने का मौका दिया तो

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

USSR का विघटन हो गया था।

भारत में जातिगत तनाव भी इसी बात का संकेत करते है वर्तमान में बढ़ती आर्थिक असमानता भी भविष्य के लिये खतरा बन सकती है

जॉन रॉल्स के अनुसार समाज में न्याय स्थापित करने हेतु स्वतंत्रता अति - आवश्यक है तथा इसके लिये सामाजिक समझौते भी करने पड़े तो भी करने चाहिये। क्योंकि यही समाज में वितरणमूलक न्याय को प्रोत्साहित करेगा।

किसी भी जगह हुआ अन्याय, हर जगह के न्याय के लिये खतरा है। - मार्टिन लूथर किंग

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्द):

7. You have recently graduated from college and are now preparing for the civil services examination. While reading the newspaper, you come across a news report of a Non-Governmental Organisation (NGO), working for child rights, challenging a provision of the Juvenile Justice Act, 2015, in the Supreme Court of India. The said provision provides for the option of Children in Conflict with Law (CCL) to be tried as adults under certain circumstances. The NGO's plea is that children are not able to understand the gravity of crimes. It has also contended that the criminal acts committed by children are a reflection of failure of the society to take care of its children. In the context of this situation, as a young aspirant, answer the following questions:

(a) What are the possible factors that can drive a child towards committing heinous crimes?

(b) Is it ethical to punish children as adults rather than giving them a chance for reformation? **(20)**

आपने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और अब आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाचार पत्र पढ़ते समय, आप बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की एक खबर के बारे में पढ़ते हैं, जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के एक उपबंध को चुनौती दी गई है। उक्त उपबंध कुछ परिस्थितियों में कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों (CCL) पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के विकल्प का प्रावधान करता है। उस NGO की दलील है कि बच्चे अपराधों की गंभीरता को समझने में सक्षम नहीं होते हैं। NGO ने यह भी तर्क दिया है कि बच्चों द्वारा किए गए आपराधिक कृत्य अपने बच्चों की देखभाल करने में समाज की विफलता का प्रतिबिंब हैं। उपर्युक्त परिस्थिति के संदर्भ में तथा एक युवा अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) वे कौन-से संभावित कारक हैं जो एक बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

(b) क्या बच्चों को सुधार का एक मौका देने के बजाय उन्हें वयस्कों के रूप में दंडित करना नैतिक है?

Juvenile Justice (Amend) Act, 2015 के माध्यम से जघन्य अपराधों में बच्चों को भी व्यस्कों

के समान, कानून के अनुसार दंड का प्रावधान किया गया है। (16 ⊕)

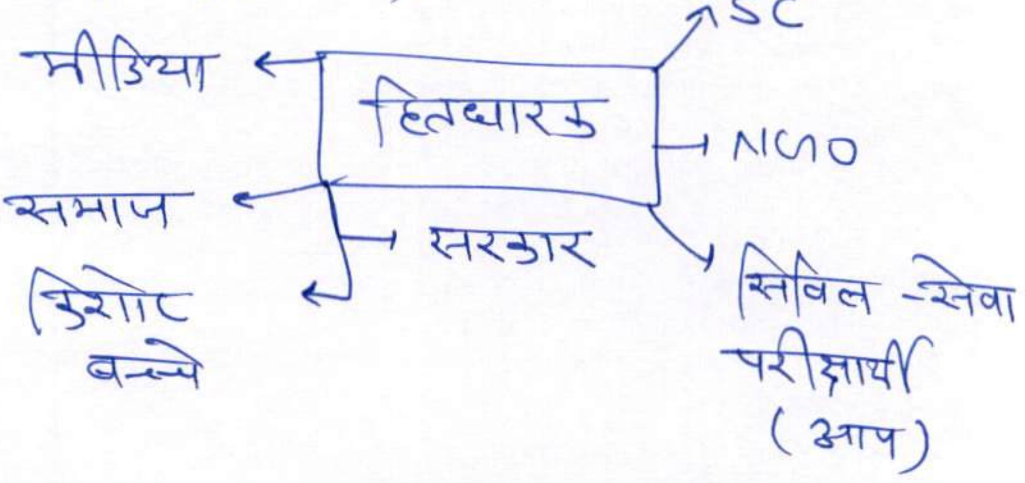

(9) संभावित कारक –

① गरीबी, भुखमरी एवं सामाजिक सुरक्षा का अभाव

② अशिक्षा व निरक्षरता

③ परिवार में व्याप्त गरीबी की संस्कृति

④ organized crimes में प्राय: किशोरों को भर्ती कर जघन्य कृत्य कराना।

⑤ पूर्व में कानूनों में व्याप्त

कमियाँ

(6) परिवार में गरीबी तथा सामाजिक सुरक्षा के अभाव की वजह से परिवार का नियंत्रण कम होना।

(7) तस्करी कर लाये गये बच्चों से जबरन कृत्य कराना।

(8) बच्चों को किसी कृत्य एवं उसके परिणामों के बारे में पर्याप्त जानकारी का अभाव।

(9) organised crimes, sleeper cells हेतु बच्चे कच्चा चारा माने जाते है

(b) मूल्य
- संवैधानिकता
- न्याय
- भावनात्मक बुद्धिमत्ता
- करुणा / दया
- संवेदनशीलता

(1) बच्चों को सामान्य कृत्यों की स्थिति में प्रायः child welfare committee तथा Juvenile

बोर्ड के माध्यम से उनका पुनर्वास एवं सुधार का प्रयास किया जाता है।

② जघन्य मामलों में, कड़ी सजा से परिवारजन बच्चों की संगति एवं परवरिश पर ज्यादा ध्यान देंगें।

③ दंडित करना, भविष्य में ऐसे अपराधों हेतु Detterance का काम करेगा।

④ sleeper cells, organised crimes, बच्चों को शामिल करने से डरने लगेंगे।

⑤ दंड के प्रावधान से समाज में एक संदेश जायेगा। हालांकि इस Act में max. 7 वर्ष की सजा का प्रावधान है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6) जघन्य अपराधी को भी सुधार हेतु शिक्षा, पोषण तथा नैतिक शिक्षा संबंधी व्यापक प्रावधान इस Act में है।

(7) ILO के मूल conventions के अनुसार तथा स्थानीय परिस्थितियों में समन्वय बेहतर उपाय रहेगा। क्योंकि भारत ILO का सदस्य रहा है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. You are a CEO-founder of an edTech company. You are under tremendous pressure from the investors in your company to increase the profitability of the company and undertake downsizing. After making a few bad acquisitions, the company's finances have taken a huge hit in the last couple of years. The downsizing is suggested with the hope that the company's profitability would rise, as it often does when mass

layoff or downsizing decisions are carried out. Moreover, the investors have hinted that such measures would attract further investment from them, which has come as a ray of hope considering the ongoing volatile market conditions and slowdown in big-ticket fundings. Given the situation, rumors of unscrupulous firing have started doing the rounds among employees. It has increased apprehensiveness and reduced cohesiveness among them. You have informed the investors that the cost cutting exercise can affect the output as well as reputation of the company in the long-run. However, they are adamant to pursue the same.

(a) Identify the stakeholders and ethical issues involved in the case.

(b) You and the HR team have identified some options and are deliberating to put them across to the investors for consideration. Discuss the merits and demerits of each of these:

(i) Identifying key high performers and offering them suitable positions before implementing the layoff decision.

(ii) Putting the terminated employees on retainer to work part-time.

(iii) Executing the lay off order in the same spirit as it was asked by the investors and letting them deal with the long-term consequences.

(iv) Improving the perception of fairness among the existing and terminated employees and moving ahead with the layoffs.

(c) Without restricting yourself to the above options, discuss the course of action you will take, and provide adequate reasons for the same.

(20)

आप एक एडटेक कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने और छंटनी (डाउनसाइजिंग) करने के लिए आपके ऊपर कंपनी के निवेशकों का जबरदस्त दबाव है। कुछ खराब अधिग्रहण करने के बाद, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में भारी गिरावट आई है। ऐसे में छंटनी का सुझाव कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि की उम्मीद के साथ दिया गया है, क्योंकि सामान्यतः बड़े पैमाने पर छंटनी के निर्णय से लाभप्रदता बढ़ती है। इसके अलावा, निवेशकों ने संकेत दिया है कि इस तरह के उपायों के परिणामस्वरूप वे कंपनी में और अधिक निवेश कर सकते हैं, जो बाजार में चल रही अस्थिर स्थितियों एवं अधिकाधिक फंडिंग में कमी को देखते हुए आशा की किरण के रूप में हैं। इस स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों के बीच बेवजह नौकरी से हटाये जाने की अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। इन सब बातों ने उनके बीच आशंका को बढ़ाया है और एकजुटता को भी कम किया है। आपने निवेशकों को सूचित किया है कि लागत में कटौती के प्रयास से कंपनी के उत्पादन के साथ-साथ दीर्घावधि में प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, वे इसी उपाय को अपनाने पर अड़े हुए हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपने और HR टीम ने निम्नलिखित कुछ विकल्पों की पहचान की है तथा उन्हें विचार के लिए निवेशकों के सामने रखने की सोच रहे हैं। इनमें से प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए:

(i) छंटनी के फैसले को लागू करने से पहले उच्च प्रदर्शन करने वाले अग्रणी कर्मचारियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त पदों की पेशकश करना।

(ii) हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट-टाइम काम करने के लिए रिटेनर के तौर पर रखना।

(iii) छंटनी के आदेश को उसी भावना से निष्पादित करना जैसा कि निवेशकों द्वारा कहा गया था और उन्हें दीर्घकालिक परिणामों से निपटने की अनुमति देना।

(iv) मौजूदा और हटाये गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छंटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।

(c) स्वयं को उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना, आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा कीजिए और उसके लिए पर्याप्त कारण बताएं।

हाल ही में Edtech कंपनी Byju's एवं UNACADEMY में भी इसी प्रकार की Downsizing की घटना देखी गयी जो इन कंपनियों के भविष्य पर सवाल उठाती है।

(a) हितधारक
- समाज
- निवेशक
- सह-संस्थापक और CEO
- उपभोक्ता (ग्राहक)
- कंपनी के कर्मचारी
- मीडिया

नैतिक मुद्दे -

① कंपनी की लाभप्रदता v/s छंटनी

② निवेशकों का दबाव v/s कर्मचारीयों का हित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ कंपनी का भविष्य v/s कंपनी की प्रतिष्ठा

④ लागत में कटौती v/s कर्मचारियों के हित

⑤ सेवा गुणवत्ता v/s ग्राहकों के हित

⑥

(b)
(i) कर्मचारियों की पहचान व पदों की पेशकश

गुण	दोष
① CEO के रूप में निवेशकों का विश्वास बना रहेगा।	① अच्छे लीडर के रूप में नैतिक चिंता को जन्म
② भविष्य में फंडिंग	② कंपनी की प्रतिष्ठा पर सवाल
③ कंपनी का लाभ ↑	③ बेरोजगारी ↑

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) पार्ट टाइमर

गुण	दोष
① कंपनी की जरूरत नही	① सामाजिक सुरक्षा का अभाव
② बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी।	② कंपनी की प्रतिष्ठा पर खतरा
③ कंपनी की लागत कम होगी	③ कर्मचारीयों के हितों को हानि

(iii)

गुण	दोष
① लागत में कमी	① कर्मचारीयों में असुरक्षा की भावना
② कंपनी में निवेश की संभावना	② कंपनी की प्रतिष्ठा में कमी

(iv)

गुण	दोष
① निवेशको का लाभ बढ़ेगा	① बेरोजगारी ↑
② CEO के रूप	② कंपनी की प्रतिष्ठा
	③ भविष्य में बेहतर talent Attract

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

में पद सुरक्षा	करना चुनौतीपूर्ण
③ भविष्य में निवेशकों से funding संभव	कार्य रहेगा

(c) मेरी कार्यवाही –

मैं ऐसी स्थिति में कंपनी के सभी कर्मचारियों के साथ मीटिंग कर, सभी पदों पर सैलरी कट की पेशकश करूंगा।

~~जिससे लागत~~

कारण –

① कंपनी की लागत ⇓

② कंपनी का लाभ ⇑

③ निवेशकों का लाभ ⇑

④ कंपनी की प्रतिष्ठा ⇑

⑤ कंपनी की रेटिंग पर प्रभाव नहीं पड़ेगा

⑥ बेरोजगारी भी नहीं बढ़ेगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भविष्य में मार्केट स्थिर होने तथा कंपनी का लाभ बढ़ने पर पुनः सैलरी बढ़ाकर, कर्मचारियों के हितों की भी रक्षा की जा सकेगी।

9. There is an ongoing ethnic civil war in a neighbouring country. The conflict has caused massive displacement of people from the country. Ironically, the developed countries have closed off their borders to the refugees on account of the COVID-19 pandemic, resource competition, domestic politics etc. With countries sealing off their borders, the refugees are left in a vulnerable situation and many are taking illegal routes to enter your country. As a Senior Official of your country's Ministry of External Affairs, you have been involved in discussions with officials of other nations and are entrusted with the mandate to design a national policy to safely accommodate India bound refugees. In this context, answer the following questions:

(a) Discuss the moral issues related to the rights of international refugees, especially those from conflict-torn regions.

(b) What recommendations would you suggest given the large influx of refugees in India. **(20)**

एक पड़ोसी देश में नृजातीय गृह-युद्ध जारी है। यह संघर्ष उक्त देश से लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन गया है। विडंबना यह है कि विकसित देशों ने कोविड-19 महामारी, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, घरेलू राजनीति आदि के कारण शरणार्थियों हेतु अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। देशों द्वारा अपनी सीमाओं को बंद करने के कारण शरणार्थियों की स्थिति असुरक्षित हो गई है और वे आपके देश में प्रवेश करने के लिए कई अवैध मार्ग अपना रहे हैं। अपने देश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप दूसरे देशों के अधिकारियों के साथ चर्चा में शामिल रहे हैं और आपको भारत में रहने वाले शरणार्थियों को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थियों, विशेष रूप से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से आने वाले शरणार्थियों, के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए आप क्या सुझाव देंगे।

भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में रोहिंग्या प्रवासियों के व्यापक विस्थापन तथा भारत में प्रवेश ने इन्हीं समस्याओं को जन्म दिया है।

हितधारक

- जनता
- सरकार
- मानवाधिकार संगठन
- वरिष्ठ अधिकारी (स्वयं)
- प्रवासी
- मीडिया
- मानवाधिकार कार्यकर्ता
- संबंधित देश की सरकार

(a) <u>नैतिक मुद्दे</u>

① भुखमरी एवं कुपोषण की समस्या

② महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा

③ जलवायु परिवर्तन के कारण प्रवासियों की सुभेद्यता
(eg- भाषण चार द्वीप मामला)

④ मानवाधिकार हनन

⑤ बाल - अधिकार तथा ILO के कन्वेंशन का हनन

⑥ UN Declaration on Human Rights के विरुद्ध

⑦ प्रवासियों द्वारा घुसपैठ (अवैध मार्ग)

8) प्रवासियों की जान का खतरा v/s भारत की सुरक्षा का मुद्दा

9) सीमावर्ती क्षेत्रों में सांस्कृतिक तनाव

10) संसाधनों पर दबाव

11) विकसित देशों में Anti-Refugee नीतियां
(उदा. - ट्रम्प mexico-USA विवाद)

(b) नैतिक मूल्य

- न्याय
- मानवता
- सत्यनिष्ठा
- भावनात्मक बुद्धिमत्ता
- राष्ट्रीय सुरक्षा

<u>सुझाव</u>

1) Universal Declaration on Human Rights के अनुसार शरणार्थियों की जान को खतरा होने की स्थिति में वापस

भेजने के निर्णय को टालकर, भविष्य में व्यापक नीति-निर्माण पर बल दूंगा।

(2) सर्वप्रथम महिला, बच्चे, वृद्ध एवं विकलांगों की सुरक्षा व सुभेद्यता को ध्यान रखते हुए रोटी-कपड़ा-मकान (टेम्परी आवास) हेतु सरकारी नीति का प्रस्ताव देना।

(3) सार्वजनिक वितरण प्रणाली से अन्न प्रदान करना।

(4) संबंधित देश की सरकार के साथ लगातार, Diplomatic स्तर पर चर्चा करते रहना तथा अनुकूल परिस्थितियां होने पर पुनः वापसी का प्रयास करना

(5) अन्य पड़ोसी देशों से इस संबंध में सलाह-मशविरा करना तथा क्षेत्रीय मंचों पर समस्या की गंभीरता को रखना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6) क्षेत्र जहाँ प्रवासी रह रहे है। वहाँ कानून - व्यवस्था सुदृढ करना, जिससे प्रवासियों की सुरक्षा पर खतरा पैदा न हो।

(7) अवैध entry रोकने हेतु Border check-posts के माध्यम से entry प्रदान करना।

(8) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रवासीयों के मुद्दों को उठाना।

वैश्विक स्तर पर प्रवासी संकट से निपटने हेतु अंतर्राष्ट्रीय Convention समय की जरूरत है जिससे मानवता को प्रोत्साहित करते हुये 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के लक्ष्य को बढ़ावा मिले।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Social interactions where a person is addressed by their correct name and pronouns, consistent with their gender identity, are widely recognized as a basic and yet critical aspect of gender affirmation. A national university invited speakers for a discussion on rights of sexual minorities in India. The panel included speakers representing a wide variety of opinions and perspectives on the issue. The debates, though largely peaceful, witnessed a controversy. A college association representing sexual minorities took offence against a panellist who cautioned against self-identification by sexual minorities and the liberal use of pronouns. The association reached out to the media and the localised controversy soon turned into a national issue across news networks and social media. The association demanded that the panellist apologise for his views and issue a public statement in this context. The panellist, on the other hand, seemed unmoved by the issue. In the meantime, the University has come under huge pressure to resolve the issue. The Vice Chancellor set up a Committee to look into the matter and its peaceful resolution. You have been appointed as the Chairperson of the Committee. In this regard, answer the following questions:

(a) Discuss the various moral issues involved in the case.

(b) Keeping the right to freedom of speech and expression in mind, highlight the steps you would take to resolve the issue and list arguments in support. **(20)**

सामाजिक संपर्क, जहां व्यक्ति को उनके सही नाम एवं सर्वनाम द्वारा और उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप संबोधित किया जाता है, को व्यापक रूप से लैंगिक पुष्टि के एक बुनियादी और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्तर के एक विश्वविद्यालय ने भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया है। उस पैनल में इस मुद्दे पर विभिन्न प्रकार की राय और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता शामिल थे। हालांकि, वहां की गई चर्चा काफी हद तक शांतिपूर्ण थी, लेकिन इसमें एक विवाद भी उत्पन्न हुआ। लैंगिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कॉलेज एसोसिएशन ने लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा आत्म-पहचान और सर्वनामों के उदार उपयोग के खिलाफ चेतावनी देने वाले एक पैनलिस्ट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शित किया। उस एसोसिएशन ने मीडिया के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया और स्थानीय विवाद जल्द ही समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय मुद्दे में बदल गया। उस एसोसिएशन ने मांग की कि वह पैनलिस्ट अपने विचारों के लिए माफी मांगे और इस संदर्भ में एक सार्वजनिक बयान जारी करे। दूसरी ओर, वह पैनलिस्ट इस मुद्दे से अप्रभावित था। साथ ही, विश्वविद्यालय पर मामले को सुलझाने का भारी दबाव है। कुलपति द्वारा मामले की जांच करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आपको समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को हल करने के लिए आप जो कदम उठाएंगे उसे रेखांकित कीजिए और समर्थन में तर्क दीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लैंगिक अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर भारतीय समाज में अभी भी रूढ़िवादी रवैया बना हुआ है जिसको यह case study रेखांकित करती है।

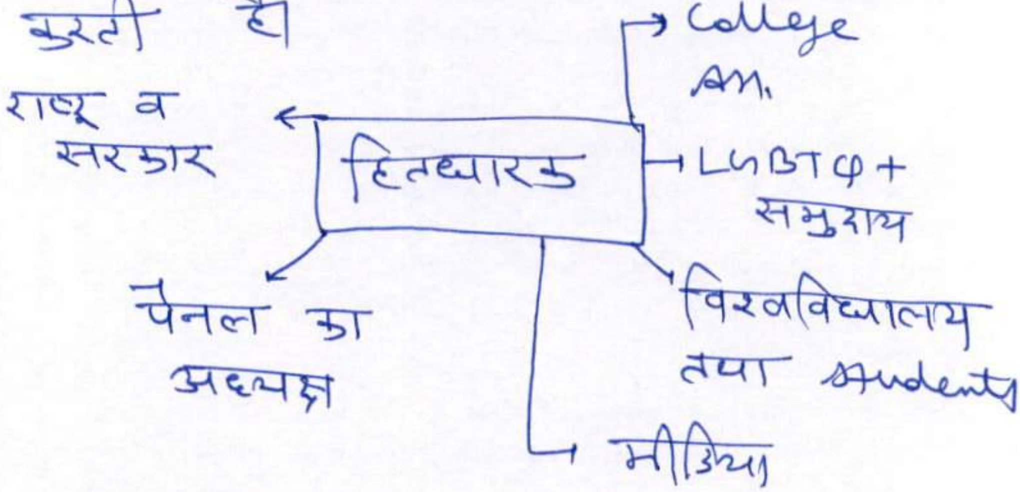

(9) <u>नैतिक मुद्दे</u>

1. LGBTQ + अधिकारों तथा महिला अधिकारों के प्रति पितृसत्तात्मक रवैया
2. लैंगिक अल्पसंख्यकों के मानवाधिकार का मुद्दा
3. लैंगिक अल्पसंख्यकों के स्व - पहचान तथा सर्वनामों के उपयोग संबंधी मुद्दे।

(4) लैंगिक अल्पसंख्यकों के सामाजिक समावेशन का अभाव

(5) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा गरिमा हनन का मुद्दा

(6) निजता का अधिकार संबंधी मुद्दा।

(7) Joseph शाइन case तथा नवतेज सिंह जौहर मे SC के मंतव्य के विरुद्ध

(b) मेरे समक्ष विकल्प

(1) पैनलिस्ट से सार्वजनिक मांफी मांगने हेतु दबाब डालना।

(2) अल्पसंख्यक अधिकार संगठन को पैनलिस्ट के मंतव्य पर व्यापक स्पष्टीकरण देना।

(3) पैनलिस्ट के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा लैंगिक अल्पसंख्यक Rights के मध्य संतुलन बनाना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

④ भविष्य में ऐसी घटना न हो, इसके लिये SOPs निर्माण की चर्चा करना।

⑤ पैनलिस्ट के मंतव्य को महत्व देना तथा उसका महत्व सार्वजनिक करना।

मेरा निर्णय –

पैनलिस्ट को मुद्दे पर स्पष्टीकरण हेड मनाना तथा दबाव देना।

कारण

① लैंगिक अल्पसंख्यकों के मुद्दे की संवेदनशीलता तथा मीडिया द्वारा कवरेज।

② भारत में Rights to freedom of speech, निरपेक्ष न होकर उस पर तार्किक प्रतिबंध लगे है ऐसे में युक्तियुक्त प्रतिबंधों तथा Rule of law व law & order को ध्यान में

रखकर निर्णय लेना।

③ पेनलिस्ट से मुद्दे की गंभीरता पर बात करते हुये स्पष्टीकरण हेतु मनाना।

④ लैंगिक अल्पसंख्यकों हेतु स्व-पहचान, संबंधी NALSA Judgement का हवाला देकर पेनलिस्ट से अपने विचार वापस लेने हेतु प्रयत्न करूंगा।

⑤ पेनलिस्ट को freedom of speech v/s Right to privacy व व्यक्ति की गरीमा के मध्य संतुलन का महत्व बनाना।

⑥ नाज foundation जैसे अल्पसंख्यकों हेतु कार्यरत NGOs से रूढ़िवादी विचारों के प्रभावों को कम करने हेतु info. edu. व Commun. हेतु प्रोत्साहन करूंगा।

11. You are a young athlete representing India at an international-level competition. To your surprise, during the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are aware that if these players get caught in a doping test, it may damage India's reputation. You are confused and afraid of the repercussions and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug on the advice of the coach himself.

(a) What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

(b) What are the reasons behind the use of performance enhancing drugs in competitive sporting events? How can this practice be minimized?

(20)

आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक युवा एथलीट हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आप प्रतियोगिता के दौरान कुछ वरिष्ठ एथलीटों को गुप्त रूप से सिरिंज का उपयोग करके कुछ इंजेक्शन को लगाते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे समझाते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली एक दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप जानते हैं कि यदि ये खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फंस जाते हैं तो इससे भारत की साख खराब हो सकती है। आप दुविधा में हैं और इसके परिणामों से डरते हैं। साथ ही, आप इस घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का फैसला करते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट कोच की सलाह पर इस दवा को ले रहे हैं।

(a) इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए।

(b) प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिता के आयोजनों में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रथा को कैसे कम किया जा सकता है?

खेलों की Doping की बढ़ती समस्या के कारण Russia को टोक्यो olympic से बाहर कर दिया गया था। जिससे राष्ट्र की साख को भी हानि होती है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हितधारक

- देश की प्रतिष्ठा
- सरकार
- मीडिया
- कोच
- वरिष्ठ खिलाड़ी
- मैं (युवा एथलीट)

(a) <u>उपलब्ध विकल्प</u>

① Doping का विरोध करूंगा तथा कोच एवं वरिष्ठों को इसके परिणामों से अवगत कराऊंगा।

② उन्हे Doping करने दूंगा तथा शांत रहूंगा

③ SAI (sport Authority of India) एवं भारत की अन्य sport संबंधी इकाई को सूचित करूंगा।

④ WADA को सूचित करूंगा।

<u>मेरी कारवाई</u> –

→ मैं <u>विकल्प – 3</u> का चुनाव करूंगा।

<u>कारण</u> –

① मेरे मन में नैतिक चिंता व नैतिक दुविधा कम होगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) SAI के माध्यम से कोच व वरिष्ठ players पर दबाव बनाकर Doping रुक सकती है

(3) देश की साख बची रहेगी

(4) SAI के नियमों के अनुसार सही रहेगा

(5) WADA के SOPs के अनुकूल

(b) प्रयोग के कारण

(1) आसान उपलब्धता

(2) Doping test की अप्रभाविता

(3) sports का व्यावसायिकरण

(4) Doping दवाई बनाने वाली कंपनियों द्वारा lobbying

(5) खेल - भावना का अभाव

(6) खिलाड़ियों में एकाएक राष्ट्रीय हीरो बनने तथा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रसिद्धी की चाह।

कम करने हेतु सुझाव

① Dope test की तकनीक को update करना।

② WADA के द्वारा वैश्विक प्रतियोगिता के दौरान multi-test of doping करना।

③ Random Doping tests का आयोजन।

④ doping रोकने हेतु code of ethics व code of conduct का पालन

⑤ Doping करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करना।

⑥ दवा बनाने वाली कंपनियों पर निगरानी हेतु अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क बनाना।

⑦ विभिन्न देशों की sport

Authority के मध्य best practices share करना।

Doping न सिर्फ गैर-कानूनी और अनैतिक है बल्कि खेल-भावना के भी विरुद्ध है। जिसकी समाप्ति हेतु वैश्विक समन्वय जरूरी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You have been newly appointed as the District Magistrate of a district, which is known for its rich mineral deposits. Following the news being circulated in the media about the illegal mining in your district, you have initiated an enquiry into it. When the State's Minister of Mines and Minerals gets to know of the enquiry initiated by you, he directs you to name some junior government employees as being involved in the wrongdoing and make them scapegoats. He also points out that elections to the State Assembly are around the corner and the present government wishes to stay clear of any political corruption. This Minister is a very influential figure in the present regime and there are high chances of the present ruling party being voted back to power. In due course of the enquiry, it has come to your notice that the said Minister has also been involved in illegal mining through his cronies.

The findings of the enquiry can affect the outcome of the elections as well as completely derail your career, if the incumbent party wins the elections, which looks very likely as per the polls.

Answer the following with reference to this case:

(a) Identify the stakeholders and the ethical issues in the given case.

(b) Critically evaluate the options in the given scenario and state your course of action, giving reasons. **(20)**

आपको एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाना जाता है। आपके जिले में अवैध खनन के बारे में मीडिया में खबर प्रसारित होने के बाद, आपने इसकी जांच शुरू कर दी है। जब राज्य के खान और खनिज मंत्री को आपके द्वारा शुरू की गई जांच के बारे में पता चलता है, तो वो आपको कुछ कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों पर गलत काम में शामिल होने का आरोप लगाने और उन्हें बलि का बकरा बनाने का निर्देश देते हैं। वह यह भी बताते हैं कि राज्य विधान सभा के चुनाव नजदीक हैं और वर्तमान सरकार किसी भी राजनीतिक भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहती है। वह मंत्री वर्तमान सरकार में एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति है और साथ ही, वर्तमान सत्ताधारी दल के सत्ता में वापस आने की बहुत अधिक संभावना है। जांच के क्रम में आपके संज्ञान में आया है कि उक्त मंत्री अपने साथियों के माध्यम से अवैध खनन में शामिल रहा है। यदि सत्ताधारी दल चुनाव जीत जाता है, जिसकी अनुमानों के अनुसार संभावना अधिक है, तो आपकी जांच के निष्कर्ष चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपके करियर को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) दिए गए परिदृश्य में उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए अपनी कार्रवाई का विवरण दीजिए।

भारत में अवैध खनन, उत्तर-पूर्वी राज्यों तथा बिहार-झारखंड जैसे राज्यों में व्यापक सामाजिक-आर्थिक समस्याओं का कारण बन गया है।

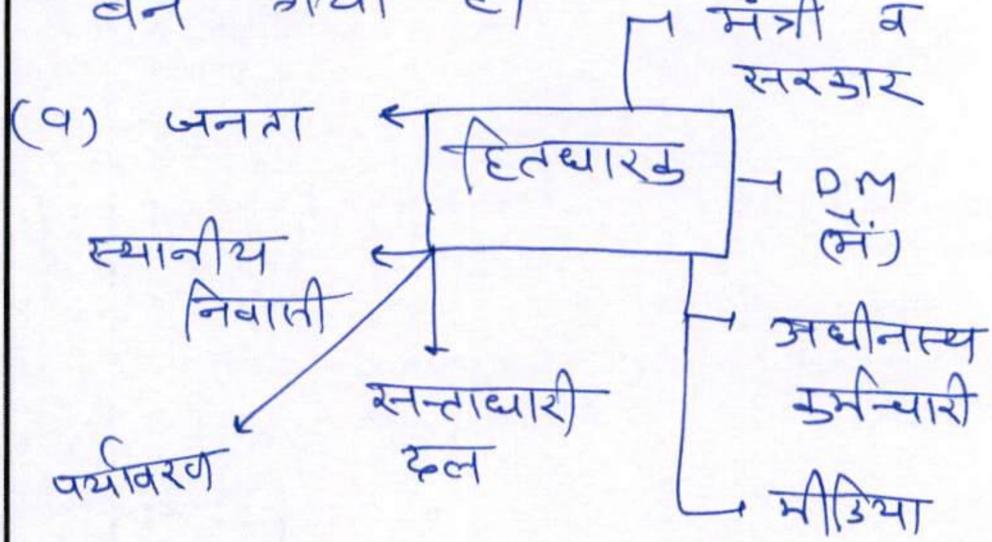

नैतिक मुद्दे

1. खनन v/s पर्यावरण सुरक्षा
2. खनन v/s वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य पर प्रभाव
3. सत्ताधारी दल का हित v/s जनता का हित
4. व्यक्तिगत हित v/s राजनीतिक उत्पीड़न

(5) नेता - राजनीति तथा अवैध खनन माफिया गठजोड़

(6) प्रशासनिक भ्रष्टाचार

(7) mines & minerals Act, 1957 का उल्लंघन

(b) उपलब्ध विकल्प व विश्लेषण

(1) विकल्प-1 - मंत्री के कहे अनुसार कनिष्ठों को बलि का बकरा बनाना।

गुण	दोष
(1) सत्ताधारी दल व मंत्री की कृपा बनी रहेगी।	(1) व्यक्तिगत द्वंद्व, नैतिक चिंता व नैतिक दुविधा
(2) व्यक्तिगत स्वार्थ सिद्धी	(2) अवैध खनन जारी रहेगा।
(3) जल्द प्रोमोशन की संभावना।	(3) प्रशासनिक भ्रष्टाचार

(2) मंत्री की बात का विरोध करना तथा निष्पक्ष जाँच करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गुण	दोष
① कनिष्ठों के प्रति कर्तव्य	① राजनीतिक उत्पीड़न की संभावना
② शक्ति का दुरुपयोग नहीं तथा पद के अनुकूल	② सुरक्षा का डर
③ नैतिक दुविधा नहीं	
④ भ्रष्टाचार उजागर होगा	

विकल्प - 3

निष्पक्ष जाँच करना और रिपोर्ट को चुनाव पश्चात जारी करना।

गुण	दोष
① कानून का पालन	① Mines & minerals Act का पालन
② सरकार को भी चिंता नहीं	② प्रक्रियागत सत्यनिष्ठा का अभाव
③ कनिष्ठ बलि का बकरा नहीं	

मेरी कार्यवाही

निष्पक्षता ← मूल्य → सत्यनिष्ठा
मूल्य → भावनात्मक बुद्धिमत्ता
मूल्य → न्याय

विकल्प-3 का चयन करूंगा

कारण -

① कानून के संगत
② राजनीतिक मूल्यानुसार उपागम
③ स्थानीय जनता के हितों के अनुकूल
④ वैध खनन से District minerals foundation में पैसा ↑ जिससे प्रदूषण ↓
⑤ PM- खनिज क्षेत्र कल्याण योजना से कौशल विकास हेतु धन की आपूर्ति
⑥ राज्य को Royalty में वृद्धि

दवा कभी भी बीमारी से बदतर न होनी चाहिये इसी सिद्धांत को यह विकल्प सुनिश्चित करता है